Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja college, Ara

मनोविकार व्यक्तित्व विकृति (Psychopathic personality disorder)

मनोविकार व्यक्तित्व से तात्पर्य वैसे व्यक्तित्व से होता है जो न तो स्नायुविकृत (neurotic) होते हैं और ना ही मनोविकृति (psychotic) होते हैं परंतु वे सामाजिक रूप से अयोग्य (misfits) होते हैं तथा उनकी बुद्धि औसत या औसत से ऊपर होती है। कहने का तात्पर्य यह है कि सामान्य अवस्था में ऐसे व्यक्ति को शारीरिक अथवा मानसिक रूप से बीमार नहीं कहा जा सकता है परंतु ऐसे व्यक्ति समाज में शांति भंग करने वाले, दंगा करने वाले तथा सार्वजनिक संपत्ति को बर्बाद करने वाले होते हैं। यही कारण है कि इसे DSM-IV (TR) में, समाज विरोधी व्यक्तित्व () कहा गया है। उपयुक्त विवरण से स्पष्ट है कि मनो विकारी व्यक्तित्व एक ऐसा व्यक्तित्व विकृति होता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी अमरूद का अनुभव किए ही समाज विरोधी कार्य करता है।

DSM-IV (TR) के वर्गीकरण पद्धति (classification system) के अनुसार सिर्फ उन्हीं व्यक्तियों को मनोविकारी व्यक्तित्व की श्रेणी में रखा जा सकता है जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे ऊपर की होती है तथा जो निम्नांकित कसौटी (criteria) के अनुरूप होते हैं -

(1) 15 साल की आयु से ही ऐसे व्यक्ति में दूसरों के प्रति सम्मान ना दिखाने की प्रवृत्ति होती है।

(2) ऐसे व्यक्ति में दूसरों के अधिकार को हनन करने की प्रवृत्ति होती है।

(3) ऐसे व्यक्ति में सामाजिक मानको के अनुरूप कार्य करने में असमर्थता होती है।

(4) ऐसे व्यक्ति में व्यक्तिगत लाभ के लिए झूठ बोलने तथा धोखा देने की प्रवृत्ति होती है।

(5) ऐसे व्यक्ति हमेशा चिड़चिड़ापन एवं आक्रमणशीलता का व्यवहार दिखलाते हैं।

(6) ऐसे व्यक्ति में उत्तरदायित्वहीनता एवं स्वयं या अन्य लोगों की सुरक्षा की परवाह नहीं होती है।

(7) ऐसे व्यक्तियों में अपने किए गए गलत कार्यों के लिए पश्चाताप की कमी होती है।

(8) ऐसे व्यक्ति में किसी कार्य के प्रति योजना बनाने की कमी एवं आवेगशील व्यवहार पाया जाता है।

(9) ऐसे व्यक्ति अपने असामाजिक व्यवहार के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं।

(10) ऐसे व्यक्ति में अच्छा अन्तर्वैयक्तिक संबंध (interpersonal relationship) बनाए रखने की अक्षमता होती है।

(11) ऐसे व्यक्ति अपने गत अनुभूतियों से लाभ उठाने में सक्षम नहीं होते हैं।

(12) ऐसे व्यक्ति में समाज विरोधी व्यवहार किसी तरह के मानसिक रोग के कारण नहीं उत्पन्न होना चाहिए।

Edit with WPS Office

मनोविकारी व्यक्तित्व के कारण (causes of psychopathic personality)

1. जैविक कारक (Biological factors)

2. पारिवारिक संबंध (Family relationship)

3. सामाजिक सांस्कृतिक कारक (Socio-cultural factors)

1. जैविक कारक (Biological factors)

मनोविकारी व्यक्तित्व यह समाज विरोधी व्यक्तित्व की व्याख्या कुछ जैविक कारकों के रूप में की गई है जिनमें निम्नांकित प्रमुख है -

(i) जननिक प्रभाव (genetic influence)

मैकमिलन तथा कोफोड (MacMillan & Kofoed, 1984) ने कई मनोविकारी व्यक्तित्व वाले व्यक्तियों पर किए गए अध्ययनों के आधार पर बतलाया कि ऐसे लोगों में समाज विरोधी व्यवहार करने की एक जन्मजात प्रवृत्ति होती है और यह जन्मजात प्रवृत्ति मूल रूप से जींस (genes) द्वारा उन्हें प्राप्त होते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि जिन व्यक्तियों के माता पिता समाज विरोधी व्यक्तित्व के होते हैं उनके बच्चों में समाज विरोधी कार्य करने की प्रवृत्ति अधिक पाई जाती है।

(ii) संज्ञानात्मक कार्यों में अपूर्णता (deficient in cognitive function)

गोरेनस्टीन (Gorenstein, 1987) ने अपने अध्ययन में पाया कि मनोविकारी व्यक्तित्व वाले व्यक्तियों में किसी वस्तु पर विस्तृत रूप से ध्यान देने की अक्षमता पाई जाती है जो स्पष्टत: इस बात की ओर संकेत करता है कि मस्तिष्क के अग्रपाली (frontal lobe) के कार्य दोषपूर्ण थे।

(iii) अपर्याप्त सांवेगिक उत्तेजन (deficient emotional arousal)

लाइकेन (Lykken, 1957) तथा उनकी सहयोगियों द्वारा किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि मनोविकारी व्यक्तित्व के व्यक्ति में सांवेगिक उत्तेजना की क्षमता पर्याप्त नहीं होती है। इसका परिणाम यह होता है कि वे तनावपूर्ण परिस्थिति में भी बहुत कम चिंतित होते हैं फलस्वरूप, उनमें सामान्य विवेक (normal conscience) की उत्पत्ति नहीं होती है और उन्हें किसी भी प्रकार के सामाज विरोधी कार्य करने में कोई हिचक नहीं होती है।

(iv) उत्तेजन जिज्ञासा (stimulation seeking)

जुकरमैन (Zukerman, 1972) के अध्ययन के अनुसार, जिन व्यक्तियों में आवेगशीलता (impulsivity) अधिक होती है मतलब कुछ नए नए कारनामे करके नई नई अनुभूति प्राप्त करने में आनंद आता है उनमें मनोविकारी व्यक्तित्व विकसित होने की संभावना अधिक होती है।

(v) असामान्य ई ई जी (Abnormal electroencephalogram or EEG)

कई अध्ययनों में यह देखा गया है कि मनोविकारी व्यक्तित्व में सामान्य व्यक्तित्व की तुलना में EEG द्वारा अभिलेखित मस्तिष्कीय तरंग (brain waves) में अधिक असामान्यता (abnormality) होती है। ऐसी असामान्यता दो तरह की होती है। पहला, मनोविकारी व्यक्तित्व का मस्तिष्कीय तरंग (brain waves) धीमा होता है जो मस्तिष्क की उस हिस्से की अपरिपक्वता को बतलाता है जो नैतिक समझ (moral understanding) के लिए जिम्मेवार होता है। दूसरा, मनोविकारी

Edit with WPS Office

व्यक्तित्व का मस्तिष्कीय तरंग (brain waves) तीव्र होता है जो आवेगशीलता एवं आक्रमक व्यवहार से सीधा संबंधित होता है।

2. पारिवारिक संबंध (Family relationship)

कुछ मनोवैज्ञानिकों ने मनोविकारी व्यक्तित्व के कारणों को विभिन्न प्रकार के पारिवारिक संबंधों के रूप में व्याख्या किया है ऐसे प्रमुख कारण निम्नांकित हैं -

(i) माता-पिता द्वारा तिरस्कार एवं असंगति दिखलाया जाना (Parental rejection and inconsistency)

जब माता-पिता अपने बच्चों को बात बात में तिरस्कृत करते हैं तथा उन्हें पर्याप्त अनुराग नहीं देते हैं तो इससे उन बच्चों में आगे चलकर मनोविकारी व्यक्तित्व विकसित हो जाता है। कभी-कभी माता-पिता बच्चों को पुरस्कार तथा दंड देने में असंगतता () बरसते हैं। एक ही व्यवहार करने के लिए कभी तो वे बच्चों को शाबाशी या पुरस्कार देते हैं तो कभी उसी तरह के व्यवहार से मिलता जुलता व्यवहार करने पर वे उसे दंड देते हैं या कठोर सजा देते हैं। इस तरह की असंगति से बच्चों के आत्म पहचान की भावना नहीं विकसित हो पाती है और भी समाज विरोधी कार्यों को एक अच्छा कार्य समझकर उसे खुलेआम एवं बिना हिचक की करना प्रारंभ कर देते हैं।

(ii) बचपन की अवस्था में माता पिता को खो देना (loss of parents in childhood)

अध्ययनों से पता चलता है कि जिन व्यक्तियों के बचपन की अवस्था में ही माता-पिता का साया किसी कारण से जैसे- माता पिता की मृत्यु से, आपस में विवाह विच्छेद (divorce) से या संबंध विच्छेद (separation) से उठ जाता है, तो उनमें समाज विरोधी व्यक्तित्व तेजी से विकसित होता है। माता पिता के ना होने से बच्चों का सांवेगिक विकास (emotional development) ठीक ढंग से नहीं हो पाता है जिसके फलस्वरूप उनमें समाज विरोधी व्यक्तित्व (antisocial personality) विकसित होने लगता है।

(iii) दोषपूर्ण पारिवारिक अंत:क्रियाएं (faulty family interactions)

समाज विरोधी व्यक्तित्व का विकास दोषपूर्ण पारिवारिक अंत:क्रियाएं से भी विकसित होता है। अध्ययनों में यह पाया गया है कि जब परिवार की स्थिति ऐसी होती है कि मां अपने बच्चों की प्रति अत्यधिक आसक्त (indulged) होती है तथा पिता अपने क्षेत्र की एक सफल व्यक्ति होते हैं और भी बच्चों को अनुराग एवं सहानुभूति समय के अभाव में नहीं दे पाते हैं तथा अपनी सफलता बनाए रखने के लिए वे बच्चों से दूरी बनाए रखते हैं तो इस दोषपूर्ण पारिवारिक परिस्थिति में पलने वाले बच्चों का व्यक्तित्व समाज विरोधी हो जाता है।

3. सामाजिक सांस्कृतिक कारक (Socio-cultural factors)

मनोविकारी व्यक्तित्व के कुछ सामाजिक-सांस्कृतिक कारण भी बतलाए गए हैं।

Edit with WPS Office

सामान्यतः यह देखा गया है कि मनोविकारी व्यक्तित्व निम्न सामाजिक आर्थिक समूहों में अधिक तेजी से विकसित होता है। यदि वातावरण ऐसा होता है जिसमें सामाजिक मानक (social norms) एवं नियमावली (regulation) का अनादर होता है जिससे उसे अन्याय एवं तिरस्कार का सामना करना पड़ता है। तो ऐसे में व्यक्ति में अन्य लोगों के लिए कल्याण की चिंता नहीं होती है तथा वह ध्वंसात्मक व्यवहार अधिक करता है।

स्मीथ, मेल्गस एवं बालवाई (Smith, Melges & Bowbly, 1996) ने अपने अध्ययनों में पाया कि जब व्यक्ति में निस्सहायता तथा निराशावाद का भाव इसलिए तीव्र हो जाता है क्योंकि जिस समाज में वह रहता है उसकी परिस्थितियां हमेशा उसके लिए प्रतिकूल एवं विषम रही हैं तो वह मन में यह ठान लेता है कि यदि उसके साथ अच्छा नहीं हो सकता है तो वह दूसरों के भी साथ अच्छा नहीं होने देगा। ऐसा सोचकर वह समाज विरोधी व्यवहार करके लोगों में आतंक फैलाता है।

इस तरह से स्पष्ट हो गया कि मनोविकारी व्यक्तित्व या समाज विरोधी व्यक्तित्व के कई कारण होते हैं। परंतु इन सभी कारणों में पारिवारिक संबंधों से जुड़े हुए कारणों को सर्वाधिक महत्व दिया गया है।

Edit with WPS Office